AE-1099

B.A. (Part - III)
Term End Examination, 2016-17

SANSKRIT LITERATURE

Paper - II

काव्य, अलंकार तथा निबंध

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 75

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य लिपि में दीजिए।

इकाई-I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** श्लोकों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 20

(क) क्रियासु युक्तैर्नृप ! चारचक्षुषो
न वञ्चनीयाः प्रभवोऽनुजीविभिः।
अतोऽर्हसि क्षन्तुमसाधु साधु वा
हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः।

(ख) तथापि जिह्मः स भवज्जिगीषया
तनोति शुभ्रं गुणसम्पदा यशः।
समुन्नयन् भुतिमनार्य सङ्गमाद्
वरं विरोधोऽपि समं महात्मभिः॥

(ग) भवाहशेषु प्रमदाजनोदितं
भवत्यधिक्षेप इवानुशासनम्
तथापि वक्तुं व्यवसायन्ति मां
निरस्तनारीसमया दुराधयः॥

(घ) विहाय शान्तिं नृप! धाम तत्पुनः
प्रसाद सन्धेहि वधाय विद्विषाम्।
व्रजन्ति शत्रुनवधूय निःस्पृहाः
शमेन सिद्धिं मुनयो न भूमृतः॥

इकाई-II

2. किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग) के आधार पर द्रौपदी द्वारा युधिष्ठिर के प्रति दिए गए वक्तव्यों का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

भारवि की काव्यशैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

इकाई-III

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पद्यों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 15

(क) चारित्रेण च को युक्तः सर्वभूतेषु को हितः।
विद्वान् कः कः समर्थश्च कश्चैकप्रियदर्शनः।

(ख) विष्णुना सदृशो वीर्ये सोमवत्प्रियदर्शनः।
कालाग्निसदृशः क्रोधे क्षमया पृथिवीसमः॥

(ग) चित्रकूटं गते रामे पुत्रशोकातुरस्तदा।
राजा दशरथः स्वर्गं जगाम विलपन्सुतम्॥

(घ) तत्र लङ्कां समासाद्य पुरीं रावणयालिताम्।
ददर्श सीतां ध्यायन्तीमशोकवनिकां गताम्

(ङ) दर्शयामास चात्मानं समुद्रः सरितां प्रति।
समुद्रवचनाच्चैव नलं सेतुमकारयत्॥

(च) नन्दिग्रामे जटां हित्वा भातृभिः सहितोऽनघः।
रामः सीतामनु प्राप्य राज्यं पुनरवाप्तवान्॥

इकाई-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अलंकारों के सोदाहरण लक्षण लिखिए : 15

(क) उत्प्रेक्षा

(ख) दीपकम्

(ग) विशेषोक्तिः

(घ) निदर्शना

(ङ) शब्दश्लेष:

(च) भ्रान्तिमान्

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर 15 वाक्यों में संस्कृत में निबंध लिखिए : 15

(क) परोपकार:

(ख) भगवद्गीता

(ग) छात्रजीवनम्

(घ) दीपावली

———